

डॉ. जॉन ओसवाल्ट, निर्गमन, सत्र 8, निर्गमन 15

© 2024 जॉन ओसवाल्ट और टेड हिल्डेब्रांट

प्रिय पिता, हम इस प्यारे दिन पर पुनरुत्थान की खुशखबरी के लिए आपका धन्यवाद करते हैं। आपका धन्यवाद कि मृत्यु आपको हरा नहीं सकी और आप जीवित हैं। क्योंकि आप जीवित हैं, इसलिए हमारे पास अनंत जीवन का वादा है।

हे प्रभु, हमें इस निश्चितता के साथ जीने में मदद करें। हमें उन लोगों की तरह जीने में मदद करें जो कहानी का अंत जानते हैं और जानते हैं कि हम जीतते हैं। धन्यवाद, प्रभु।

हमें माफ़ करें जब हम इसे भूल जाते हैं और जीवन के दबावों और कठिनाइयों के बोझ तले दब जाते हैं। आपका धन्यवाद कि आप इसे समझते हैं। आपका धन्यवाद कि आप जानते हैं कि बोझिल होना, निराश होना, इतनी मेहनत करना और कम से कम सतही तौर पर, सफल न होना क्या होता है।

हे प्रभु, आपका धन्यवाद कि आपने यह सब हमसे साझा किया। लेकिन आपका धन्यवाद कि आपने विजय प्राप्त की है और इस पर विजय प्राप्त की है। हे प्रभु, हमें पुनरुत्थान के लोगों के रूप में जीने में मदद करें।

हम आपको शास्त्रों के लिए धन्यवाद देते हैं। हम आपको उस स्वतंत्रता के लिए धन्यवाद देते हैं जो हमें आज रात उनका अध्ययन करने के लिए मिली है। हम प्रार्थना करते हैं कि आप हमें उनकी सच्चाई बताएँगे।

हम मानते हैं कि इस जैसी कोई दूसरी किताब नहीं है। लेकिन हम यह भी मानते हैं कि जब तक आपकी पवित्र आत्मा हमें इसकी सच्चाई नहीं बताती, यह सिर्फ़ एक और किताब है। धन्यवाद, पवित्र आत्मा, कि आप यहाँ हैं और आप अपना वादा निभाएँगे और अपना वचन हमारे सामने खोलेंगे। आपके नाम में, हम प्रार्थना करते हैं। आमीन। हम आज रात मूसा और मरियम के गीत पर आते हैं।

यह कई मायनों में वह विषय है जो बाइबल में व्याप्त है। शायद आपको याद हो कि प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में हमें बताया गया है कि लोगों ने मूसा और मेसे का गीत गाया था। इसलिए, यहाँ संबंध बहुत महत्वपूर्ण है।

और यहाँ हम जो कुछ भी पहले हुआ है, उस पर जो चिंतन पाते हैं, वह बहुत महत्वपूर्ण है। इसलिए, हम अपना काफी समय इस कविता को देखने में बिताएँगे। यह तीन छंदों वाली एक कविता है।

पहला छंद संक्षिप्त और परिचयात्मक है। यह छंद 1 से 3 है। दूसरा और तीसरा छंद कविता का वास्तविक शरीर है।

दूसरा छंद छंद 4 से 12 है।

और फिर अंतिम छंद 13 से 18 तक है। तब मूसा और इस्राएलियों ने यहोवा के लिए यह गीत गाया। मैं यहोवा के लिए गाऊंगा, क्योंकि वह बहुत महान है।

घोड़े और सवार दोनों को उसने समुद्र में फेंक दिया है। प्रभु मेरी शक्ति और मेरी रक्षा है। मुझे यह पसंद नहीं है।

वह मेरा बल और मेरा गीत है। वह मेरा उद्धार बन गया है। वह मेरा परमेश्वर है, और मैं उसकी स्तुति करूंगा।

वह मेरे पिता का परमेश्वर है, और मैं उसे महिमा दूंगा। यहोवा एक योद्धा है। यहोवा उसका नाम है।

मैं आपसे इस छंद में सर्वनामों को देखने के लिए कहता हूँ। वे क्या हैं? मैं और वह और मैं सभी जगह हैं। मैं गाऊंगा।

प्रभु मेरी शक्ति और मेरा गीत है। वह मेरा उद्धार बन गया है। वह मेरा परमेश्वर है।

मैं उसकी स्तुति करूंगा। मेरे पिता परमेश्वर, और मैं उसकी स्तुति करूंगा। अब, इसका क्या महत्व है? ठीक है।

बिल्कुल। यह उनके विश्वास और मोक्ष की व्यक्तिगत घोषणा है। इससे क्या हासिल होता है? रिश्ता? हाँ।

परमेश्वर के साथ रिश्ते की एक नई भावना है। ऐसा क्यों है? परमेश्वर के कार्यों के कारण। परमेश्वर ने दिखाया है कि वह कौन है और फिर मूसा और इस्राएल की ओर से यह प्रतिक्रिया है।

इस्राएल का मतलब आम राष्ट्र से है। इसलिए, यहाँ मैं सिर्फ मूसा ही नहीं बल्कि इस्राएल भी है। परमेश्वर ने अपनी वफ़ादारी का प्रदर्शन किया है और परिणामस्वरूप मूसा और लोग कह रहे हैं कि वह मेरा परमेश्वर है।

अब वे केवल दर्शक नहीं रह गए हैं। अब वे इस पूरे कार्य में ईश्वर के साथ भागीदार हैं। आइए इन संदर्भों पर नज़र डालें।

भजन 18, पद 1 और 2। जैसे ही आपको यह मिल जाए, कोई इसे अच्छे से और जोर से पढ़ें। भजन 118, पद 14। यशायाह अध्याय 12 पद 2। हबक्कूक अध्याय 3, पद 18 और 19।

यशायाह, योएल, आमोस, ओबद्याह, योना, मीका, नहूम, हबक्कूक, सपन्याह। हाँ। हाँ।

हाँ। तो, तीन बार श्लोक को सीधे उद्धृत किया गया है और दो बार स्पष्ट संकेत हैं। यह हमें क्या बताता है? आपको ऐसा क्यों लगता है? ऐसा क्यों हो रहा है? ठीक है, उन्होंने उस पर भरोसा करना सीख लिया है।

पुराने नियम की बाद की किताबों में इन शब्दों या कम से कम इन अवधारणाओं का पाँच बार उपयोग क्यों किया गया? यह हमें क्या बताता है? बिल्कुल। मूसा का गीत पढ़ाया और याद किया जा रहा था। क्यों? यह सच है।

इससे उम्मीद बनी रहती है। हाँ, यह प्रेरणादायी और मज़बूत करने वाला था।

उन्हें याद दिलाएँ कि वे कौन हैं। हाँ। सभी चीज़ें अच्छी हैं।

वे इसे भूलते रहे। हाँ। यह उनके लिए यह समझने में निर्गमन के पूर्ण महत्व को दर्शाता है कि वे कौन हैं।

बहुत सी अन्य बेहतरीन कविताएँ हैं। आस्था की बहुत सी अन्य महान अभिव्यक्तियाँ हैं, लेकिन यह स्पष्ट रूप से इस्तेमाल की जा रही है, सिखाई जा रही है, और याद की जा रही है क्योंकि इसका संबंध निर्गमन की घटना से है। अब, मैंने इसे बार-बार दोहराया है, और जब तक आप यहाँ हैं और मैं यहाँ हूँ, मैं इसे दोहराता रहूँगा।

हमारा विश्वास इतिहास में ईश्वर के कार्यों से अभिन्न रूप से जुड़ा हुआ है। हम कैसे जानते हैं कि हम ईश्वर के लोग हैं? क्योंकि उसने हमें मृत सागर, लाल सागर से होकर निकाला, है न? हम कैसे जानते हैं कि हम चुने हुए लोग हैं? क्योंकि उसने हमें लाल सागर से होकर निकाला। हम कैसे जानते हैं कि ईश्वर ईश्वर का ईश्वर और ईश्वर का प्रभु है क्योंकि उसने हमें लाल सागर से होकर निकाला? मैंने इसकी योजना इस तरह से नहीं बनाई थी, लेकिन मुझे लगता है कि यह बहुत महत्वपूर्ण है कि यह पुनरुत्थान दिवस के बाद का सोमवार है।

यदि मसीह का पुनरुत्थान नहीं हुआ है, तो हम सभी लोगों में सबसे अधिक दया के पात्र हैं, क्योंकि हमने झूठ पर विश्वास किया है। अब, जब मैं पुराने नियम की घटनाओं के संबंध में उस आयत का उपयोग कर रहा था, तो मेरे एक मित्र ने कहा, ठीक है, मुझे नहीं लगता कि आप ऐसा कर सकते हैं। और मैंने उससे असहमत होने का साहस किया।

मुझे लगता है कि पॉल ने पुनरुत्थान के बाद यह सपना नहीं देखा था। यह विश्वास की उनकी समझ का एक अभिन्न अंग था, मसीह का पुनरुत्थान। यदि हिब्रू लोगों को मिस्र से मुक्ति नहीं मिली थी, यदि यह दुर्भाग्य से आज बहुत लोकप्रिय है, एक धर्मशास्त्र की कहानी है, तो मुझे कहना होगा, धर्मशास्त्र के बारे में क्या? उन्हें यह विचार कहाँ से मिला कि ईश्वर केवल ईश्वर है? उन्हें यह विचार कहाँ से मिला कि वे ईश्वर के चुने हुए लोग हैं जिनकी नियति है जब तक कि ईश्वर उनके हित में कार्य न करे? तो, यह दोहराव, वह मेरी ताकत है, वह मेरा गीत है, वह मेरा उद्धार है, सीधे पलायन के तथ्य से जुड़ा हुआ है।

अब, बेशक, हर साल फसल का पर्व भी इस बात को समझाने में मदद करता है। पिता, हम ऐसा क्यों कर रहे हैं? ओह, हम मिस्र में गुलाम थे, लेकिन परमेश्वर ने हमें अपने शक्तिशाली हाथ से बाहर निकाला। मिस्र के सभी पहलौठे मर गए, लेकिन हम जीवित हैं क्योंकि वह अकेला परमेश्वर है।

अब, उन तीन शब्दों के बारे में क्या? इस तथ्य के अलावा कि वे सभी अंग्रेजी में F से शुरू होते हैं, उनका क्या महत्व है? वे तीन शब्द ईश्वर और उसके साथ हमारे रिश्ते के बारे में क्या बताते हैं? उस पर पूरी तरह से भरोसा। हाँ, मुझे लगता है कि मैं आपके साथ सही हूँ। इसे थोड़ा और आगे भेजें।

यह किस अर्थ में उस पर पूर्ण निर्भरता को दर्शाता है? ठीक है? हाँ। हाँ। मुझे लगता है कि यह बिल्कुल सही है।

वह मेरी ताकत है। मुझे जीवन में आने वाली हर चुनौती का सामना करने में सक्षम बनाओ। वह मेरी ताकत नहीं है, बल्कि वह मेरी ताकत है।

और, किसी तरह नहीं, बल्कि विजयी होकर। गाने के लिए। नहीं, ठीक है, मुझे लगता है कि मैं इसे बनाने जा रहा हूँ।

ऐसे दिन आते हैं। लेकिन, भगवान का शुक्र है, यह हमारे जीवन का कुल योग नहीं है।

वह हमारे दिलों में एक गीत डालता है। हमने पहले भी इस बारे में थोड़ी बात की है। तथ्य यह है कि गाना बाइबल के विश्वास का अभिन्न अंग है।

मैं निश्चित रूप से उस संबंध की गहराई तक नहीं पहुंच पाया हूँ। लेकिन यह सच है। यह सच है।

जब ईश्वर आपके जीवन में आता है, तो कुछ ऐसा घटित होता है जिसे केवल एक गीत में ही पूरी तरह से व्यक्त किया जा सकता है। केवल बोले गए शब्दों से काम नहीं चलता। इसके लिए शब्दों को गाया जाना चाहिए।

यह उन चीजों में से एक है जिसके लिए मार्टिन लूथर, आइजैक वॉट्स और चार्ल्स वेस्टवुड पूरी तरह से प्रतिबद्ध थे। लोगों को अपने विश्वास को गाने में सक्षम बनाने की आवश्यकता है। मध्ययुगीन चर्च के अधिकांश भाग के लिए, यह पुजारी और गायक मंडली ही थे जो गायन करते थे।

और लोग शायद कुछ जवाब बुदबुदाते। लेकिन बस इतना ही। और जब लूथर ने कहा, नहीं, नहीं।

वे अपने धर्मशास्त्र का गुणगान करने जा रहे हैं। यह एक क्रांति थी जो बाइबल की पुनः खोज जितनी ही महत्वपूर्ण थी। यह शायद अतिशयोक्ति है, लेकिन यह बहुत अधिक अतिशयोक्ति नहीं है।

यह बहुत बड़ी त्रासदी है कि हम आज उसे खो रहे हैं। हम देखेंगे कि वहाँ क्या होता है, लेकिन मैं बहुत से मेथोडिस्ट चर्चों में जाता हूँ।

और मैं हमेशा इस बात से रोमांचित रहता हूँ, आप जानते हैं। हमारे विश्वास की विजयी, हर्षोल्लासपूर्ण घोषणा कहाँ है? जब यह सही तरीके से किया जाता है। सबसे दुर्भाग्यपूर्ण चीजों में से एक यह है कि मण्डली, कुल मिलाकर, 180 पुरुषों द्वारा डूब रही है।

कैरेन और मैं रूस में एक हाउस चर्च में थे। कमरा इस दीवार से उस दीवार तक और दरवाज़े के पार जितना बड़ा था। और, मेरा मतलब है, अगर आप पूजा करने जा रहे हैं, तो जाहिर है, आपके पास एक स्तुति बैंड होना चाहिए।

और आपके पास पीछे की दीवार को उड़ाने के लिए पर्याप्त एम्प्स होने चाहिए। और हम, ज़ाहिर है, सम्मानित अतिथि थे, इसलिए हम आगे की पंक्ति में थे। अगर मेरे पास यहाँ कोई होता, तो मैं उसके बाद नहीं होता।

लेकिन अगर मैं कहूँ तो यह हास्यास्पद था। उन्हें उस एम्पलीफायर की ज़रूरत नहीं थी। लेकिन हम अमेरिका से टेलीविज़न देखते थे।

और अगर आप पूजा करने जा रहे हैं, तो आपके पास इस्तेमाल किया हुआ एम्पलीफायर होना चाहिए। लेकिन आप सही कह रहे हैं। कई स्थितियों में जब मण्डली एम्पलीफायर से अभिभूत नहीं होती है, तो बहुत ज़्यादा आनंद की चीज़ें होती हैं।

फिर से, मैं यहाँ एक शौक्लीन घोड़े पर सवार हूँ, और मैं अंततः इससे दूर हो जाऊँगा। लेकिन चर्च में वर्तमान संगीत आंदोलन में एक चीज़ जो मुझे बहुत चिंतित करती है, वह है भूलने की बीमारी। मैं मोहित हो गया था।

मैं बच्चों के एक समूह के साथ था। मेरा मतलब है, अगर 50 साल से कम उम्र के किसी को मेरी उम्र का अंदाज़ा नहीं है। और मैंने सुझाव दिया कि हम गाना गाएँ। आग जलाने के लिए बस एक चिंगारी की ज़रूरत होती है।

कोई आत्मा नहीं। वह चीज़ सिर्फ़ 30 साल पुरानी थी। लेकिन देखिए, लोकप्रिय संगीत में, 10 साल पुरानी चीज़ एक सुनहरा पुराना गीत है।

पूरा विचार जल्दी से जल्दी प्रतिस्थापन और नवीनीकरण करना है। हमारा बेटा एंड्रयू कोलंबस, ओहियो में जूनियर चर्च में पादरी है, जो दुनिया का सबसे बड़ा जूनियर चर्च है। मुख्य संगीतकार एक बूढ़ा आदमी है।

वह 39 वर्ष के हैं। और उनका एक बेटा है जो 18 वर्ष का है। और वे जो संगीत सुनते हैं, और फिर, मैं बहुत सारे चर्चों में जाता हूँ, बहुत सारा संगीत सुनता हूँ।

यह बहुत दुर्लभ है कि मैं उनके द्वारा गाए जा रहे गीतों में से एक को जानता हूँ। लेकिन एंड्रयू ने बताया कि संगीत नेता के 18 वर्षीय बेटे ने अपने पिता को उस पुराने संगीत का उपयोग करने के लिए डांटा। इसलिए, मेरी इच्छा है कि किसी तरह हम एक सुखद माध्यम पा सकें।

वह मिश्रण जहाँ, हाँ, हम अपने दिल से गीतों की प्रशंसा गा रहे हैं। और फिर भी, हम उससे अपना संबंध नहीं खो रहे हैं। और आप वहाँ जा रहे हैं।

ठीक है, मैं इसे छोड़ दूँगा। ठीक है। और यही कारण है कि वह हमारी ताकत है।

वह हमें इसलिए गीत सुनाता है क्योंकि वह हमारा उद्धार है। हम जानते हैं। हम जानते हैं।

मैंने इसे पहले भी उद्धृत किया है। मैंने इसे हर जगह उद्धृत किया है। आज सुबह मुझे फिर से इसके बारे में ख्याल आया।

मेरा मानना है कि यह डिक रिकी की ओर से है। वह, पक्षी की तरह, महसूस कर रहा है कि शाखा संगीत के लिए रास्ता दे रही है, फिर भी गा रहा है, यह जानते हुए कि उसके पास उड़ने के लिए पंख हैं। हाँ, वह हमारा उद्धार है।

हम यह जानते हैं। और क्योंकि हम यह जानते हैं, हम हर परिस्थिति का सामना शक्ति और गीत के साथ कर सकते हैं।

खैर, तीन श्लोकों के लिए आधा घंटा, यही उसने कहा। ठीक है। वह मेरा भगवान है।

और मुझे नहीं लगता कि हम गीत के बाकी हिस्सों को समझने में इसके महत्व के संदर्भ में इस पर अधिक जोर दे सकते हैं। अब श्लोक 4 से 12 को देखें। और यहाँ सर्वनाम क्या हैं? प्रमुख क्या है? पहला, दूसरा या तीसरा? प्रमुख कौन सा है? दूसरा, हाँ।

हाँ। आपका दाहिना हाथ। आपका दाहिना हाथ।

आपकी महानता, महामहिम। आपने गिरा दिया। आपने उन्मुक्त कर दिया।

तुम्हारी नाक के धमाकों से। हाँ।

श्लोक 10. लेकिन तूने अपनी सांस से फूँका। तो हाँ, वहाँ तू है, और फिर कोई और है।

जैसा कि मेरे भाई ने कहा है, इसकी एक अभिव्यक्ति मैं हूँ। दूसरी अभिव्यक्ति क्या है? मैं जिस बारे में सोच रहा हूँ वह तीसरा व्यक्ति है। गहरे पानी ने उन्हें ढक लिया। वे डूब गए।

तूने अपनी महानता से अपने विरोधियों को परास्त कर दिया, और तेरी नासिका की फूँक से वे भस्म हो गए।

शत्रु ने दावा किया कि मैं उनका पीछा करूंगा, इत्यादि। परन्तु तूने अपनी सांस फूँकी, और समुद्र ने उन्हें ढक लिया। वे सीसे की तरह डूब गए।

पद 12. तू अपना दाहिना हाथ बढ़ाता है, और पृथ्वी तेरे शत्रु को निगल जाती है। अतः यहाँ जो विरोधाभास दर्शाया गया है, वह परमेश्वर ने जो किया है, उसके बीच है।

उसने फिरौन के रथों और सेना को समुद्र में फेंक दिया। असल में, इसमें कोई विरोधाभास नहीं है। परमेश्वर ही सक्रिय है।

तुमने यह किया। तुमने यह किया। तुमने यह किया।

और वे नीचे गिरा दिए गए। वे भस्म हो गए। उन्होंने घमंड किया।

तूने अपनी साँस फूँकी और समुद्र ने उन्हें ढक लिया। वे सीसे की तरह डूब गए। तो, हमें इससे क्या निष्कर्ष निकालना चाहिए? श्लोक 11 को देखें।

हम इस बारे में हमेशा बात करते रहे हैं, है न? सबक क्या है? वे देवता, उन लोगों के देवता, आपके सामने टिक नहीं सकते। आप एक अलग श्रेणी में हैं। मैंने अपने वयस्क जीवन का एक अच्छा हिस्सा इस मामले पर बहस करने में बिताया है।

वह यहोवा देवताओं में से एक नहीं है। वह बिलकुल अलग श्रेणी में है। देवता यहीं हैं।

वह यहाँ पर है। और यही बात यहाँ कही जा रही है। फिर यशायाह ने अपनी पुस्तक के अध्याय 41 से 48 में इस पर विस्तार से बात की है।

आप जैसा कौन है? और इसका उत्तर है, संभवतः कोई नहीं। वे चट्टानों, पत्थरों और सितारों की पूजा करते हैं। वे उन चीजों में से नहीं हैं।

मम-हम्म, मम-हम्म, मम-हम्म। हाँ, यह वही बिंदु है जिसे यहाँ विकसित किया जा रहा है। आप मेरे भगवान हैं, और आप उनका उपयोग करते हैं।

हाँ। ठीक है, चलिए आगे बढ़ते हैं। श्लोक 13 से 18 तक।

इस छंद का परिप्रेक्ष्य 4 से 12 के परिप्रेक्ष्य से किस तरह अलग है? छंद 4 से 12 किस दिशा में देख रहे हैं? वे पीछे की ओर देख रहे हैं कि परमेश्वर ने उनके लिए क्या किया है। शत्रु ने घमंड किया कि तुमने यह किया, तुमने वह किया। वे निगल लिए गए।

तो, वहाँ का दृष्टिकोण पीछे की ओर है। श्लोक 13 से 18 का दृष्टिकोण क्या है? यह भविष्य है। हाँ, हाँ।

आपने जो किया है, उसके प्रकाश में, भविष्य में हमारे लिए इसका क्या अर्थ है? तो इन आयतों के अनुसार, पलायन की खबर का क्या प्रभाव होगा? आयत 14, 15, 16 को देखें। दुश्मन भयभीत होने वाले हैं। और यह दिलचस्प है।

हमारे पास इस पर गौर करने का समय नहीं है। लेकिन अगर आप यहोशू अध्याय 2 को देखें, तो राहाब ने भी यही बात उन पाँचों से कही है। उसने अपनी जान अपने हाथों में ले ली।

उसने राजा से झूठ बोला। और वह खुद को इन दो लोगों के साथ खड़ा करती है और उनके लिए अपनी जान जोखिम में डालती है। क्यों? क्योंकि उसने यह संदेश सुना था।

हर कोई बुरी तरह डरा हुआ है। क्योंकि उन्होंने सुना है कि तुम्हारे भगवान ने क्या किया है, और यह बिल्कुल सही है।

प्रभु का भय ज्ञान की शुरुआत है। इसलिए, यदि वे उसे जानेंगे तो उनके लिए प्रभु का भय ज्ञान की शुरुआत है। ठीक है? नहीं, मुझे ऐसा नहीं लगता।

मुझे लगता है कि इसका मतलब भगवान है, और वे कह रहे हैं कि भगवान ने हमें खरीद लिया है। हम मिस्र में गुलाम थे, और उनके कार्यों से, हम भगवान के गुलाम बन गए हैं। उसने हमें खरीद लिया है और हमें गुलामी से बाहर निकाला है।

और यह दिलचस्प है कि जोशुआ के अंतिम संदेश में, वह कहता है, प्रभु ने तुम्हें गुलामी के घर से, बंधन के घर से छुड़ाया है। अब, तय करो कि तुम किसके गुलाम बनने जा रहे हो। वे कहते हैं, ठीक है, नहीं, नहीं, नहीं।

नहीं, अब मैं किसी का गुलाम नहीं बनूंगा। मैं खुद का हूँ। और जोशुआ कहता है, नहीं, तुम मेरे नहीं हो।

सवाल यह नहीं है कि आप गुलाम बनने जा रहे हैं या नहीं। सवाल सिर्फ इतना है कि आप किसके गुलाम बनने जा रहे हैं। हमारी संस्कृति यही है कि वे ऐसे ही होते हैं।

वासना के गुलाम, आनंद के गुलाम, सत्ता के गुलाम, पैसे के गुलाम, इच्छा के गुलाम। तो भगवान ने उन्हें खरीद लिया है, और वे उस अर्थ में उसके लोग हैं। ठीक है।

श्लोक 13 को देखिए। वहाँ मुख्य शब्द क्या है? अपने हेसेड में आप उन लोगों का नेतृत्व करेंगे जिन्हें आपने लिखा है। यह संस्करण कहता है कि आप अचूक प्रेम हैं।

कुछ अन्य संस्करण क्या हैं? दया। अटल प्रेम। अविचल प्रेम, हाँ।

कोई और? प्रेमपूर्ण दयालुता। फिर से, आप इसे तब तक सुनेंगे जब तक आपका चेहरा नीला न हो जाए। पुराने नियम का कीवर्ड यही है।

अब, पवित्रता इसके साथ ही आती है, लेकिन वास्तविक अर्थ में, यह परमेश्वर की पवित्रता की अभिव्यक्ति है, और उसकी पवित्रता इसकी अभिव्यक्ति है। जब जॉन ने कहा, परमेश्वर प्रेम है, तो वह कोई नई बात नहीं सोच रहा था। परमेश्वर हेसेड है।

यह वही है जिस पर पुराने नियम में बार-बार बहस की गई है। इसलिए, आपको बस अपने दिमाग में कहीं एक लाल झंडा लगाने की ज़रूरत है, कि जब आप देखते हैं कि, आपके संस्करण में जो भी शब्द है, दया या दृढ़ प्रेम या अचूक प्रेम या इसी तरह, मेरी गिनती के अनुसार, इस शब्द के लगभग नौ अलग-अलग अनुवाद हैं जो अलग-अलग संस्करणों में इस्तेमाल किए गए हैं, इसे समझने की कोशिश कर रहे हैं। जैसा कि मैंने आपको पहले बताया है, अनुवाद करने के लिए वास्तव में एक वाक्य की आवश्यकता होती है।

किसी श्रेष्ठ व्यक्ति का किसी निम्न व्यक्ति के प्रति भावुक, अविचल समर्पण, खासकर तब जब वह इसके लायक न हो। यह एक ऐसा शब्द है जो पुराने नियम के बाहर अज्ञात है। यह बहुत ही असामान्य है।

अधिकांश हिब्रू शब्द अन्य सेमिटिक भाषाओं से लिए गए हैं, इस भाषा से नहीं। और फिर भी यह पुराने नियम में 250 से अधिक बार आता है, जिनमें से लगभग तीन-चौथाई शब्द ईश्वर को संदर्भित करते हैं।

तो, ऐसा क्या था जिसके कारण उसने यह सब किया? ऐसा क्या था जिसके कारण उसने यह नहीं कहा कि वे लोग अकेले हैं? मैं जानता हूँ कि वे कैसे हैं। मैं जानता हूँ कि वे मेरे साथ कैसा व्यवहार करेंगे।

भूल जाओ। उन्हें गुलामी में सड़ने दो। तुम क्या सोचते हो, मूसा? क्यों न हम तुम्हारे साथ फिर से शुरुआत करें? तुम्हें इस बारे में कैसा लगता है? तुम इसे कुछ हफ्तों में देखोगे।

मूसा ने कहा, "हे परमेश्वर, आप ऐसा नहीं कर सकते। परमेश्वर ने कहा कि आप सही कह रहे हैं। बेहतर होगा कि आप नीचे जाकर इन लोगों से बात करें।"

अपने हेसेड में, आप उन लोगों का नेतृत्व करेंगे जिन्हें आपने हेसेड किया है। हाँ। हाँ।

हां। अगर किसी और ने सबक नहीं सीखा है, तो एक व्यक्ति ने सीखा है। बिल्कुल सही।

बिल्कुल सही। हाँ। हाँ।

और मुझे संदेह है कि यह होगा, फिर से, मैं यहाँ एक बहुत ही महीन रेखा पर चलना चाहता हूँ। मेरा मानना है कि हमें ईसाई जीवन में संकटों के महत्व को लगातार दोहराना चाहिए। धर्मांतरण का संकट, पवित्रीकरण का संकट, मुझे लगता है कि ये बिल्कुल महत्वपूर्ण हैं।

साथ ही, अध्याय 6 और अध्याय 15 के बीच यह पता लगाना थोड़ा मुश्किल हो सकता है कि मूसा के जीवन में टिपिंग पॉइंट कहाँ था। लेकिन जैसा कि आपने कहा, हम अब कह सकते हैं कि जहाँ

भी वह बिंदु था, हम सबूत देख सकते हैं कि वह बिंदु घटित हुआ है। और वह अभी भी मुझसे बहस करने जा रहा है। हाँ।

हाँ, इसमें कोई संदेह नहीं है। और सच तो यह है कि हममें से ज्यादातर लोग भगवान को इतनी अच्छी तरह नहीं जानते कि उनसे बहस कर सकें।

हमारे बीच इतना घनिष्ठ संबंध नहीं है कि हम कह सकें, भगवान, हम शिकायत नहीं कर रहे हैं, हम शिकायत नहीं कर रहे हैं, लेकिन वास्तव में वहाँ जाकर कहें, भगवान, आप यहाँ क्या कर रहे हैं? आप नहीं कर रहे हैं। ठीक है, चलिए आगे बढ़ते हैं। श्लोक 17 को देखें और मुझे निर्गमन का उद्देश्य बताएं।

वह उन्हें कहाँ ले जाएगा? उसके साथ एक गहरे रिश्ते में। यहाँ कनान के तीन वर्णन हैं। आपकी विरासत का पहाड़।

मुझे नहीं लगता कि विरासत सबसे अच्छा शब्द है। आपका विशेष अधिकार। मुझे लगता है कि यह एक बेहतर शब्द या बेहतर अनुवाद है।

तुम्हारे विशेष अधिकार का पर्वत। वह स्थान जिसे तुमने अपने निवास के लिए बनाया। पवित्र स्थान।

भगवान उन्हें कहाँ ले जा रहे हैं? घर। मंदिर। वह उन्हें किसी भौगोलिक स्थान पर नहीं, बल्कि एक रिश्ते में ले जा रहे हैं।

यही कारण है कि निर्गमन की पुस्तक इस तरह विकसित होने जा रही है। आप जानते हैं, अरे, उसने उन्हें अब मिस्र से बाहर निकाल लिया है, तो चलिए सीधे कनान की भूमि पर चलते हैं। यह कानून किस बारे में है? और यह तम्बू किस बारे में है? उसने उन्हें अपने साथ एक रिश्ते में लाने के लिए छुड़ाया।

जैसा कि मैंने कई बार कहा है जब हम प्लेग को देख रहे थे, यह कोई छल नहीं है जब मूसा कहता है, मेरे लोगों को जाने दो ताकि वे जंगल में जाकर मेरे साथ काम कर सकें। वास्तव में यही बात है। इसलिए, हे प्रभु, मुझे बचाओ ताकि मैं यह या वह या कोई और काम पूरा कर सकूँ।

और भगवान कहते हैं कि तुम नहीं समझते। मैं तुम्हें अपने लिए बचा रहा हूँ। मुझे लगता है कि हम इस पर बहस कर सकते हैं।

मुझे लगता है कि हम इस पर बहस कर सकते हैं। हम इसे अध्याय तीन के अंत तक नहीं सुनते हैं, जब पतन हो चुका होता है, लेकिन यह प्रथा थी कि ईश्वर अदन के तालाब के बगीचे में आकर टहलता था। यह हमें बताता है कि इस त्रासदी से पहले क्या चल रहा था।

हाँ। ठीक है। चलो आगे बढ़ते हैं।

जैसा कि मैंने आपको पहले बताया, अध्याय विभाजन पाँच या छह सौ ई.पू. में कहीं रखे गए थे। हमें ठीक से पता नहीं है कि कब। हमारे पास डेड सी स्क्रॉल और 1000 ई.पू. के बीच ओल्ड टेस्टामेंट की बहुत कम प्रतियाँ हैं क्योंकि उन्होंने स्क्रॉल को रखने के बजाय जला दिया था, और वे खराब होने लगे थे। वे पवित्र थे।

आपने उन्हें जला दिया ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उनका इस्तेमाल किसी अपवित्र उद्देश्य के लिए न किया जाए। लेकिन हम सभी जानते हैं कि डेड सी स्क्रॉल में कोई अध्याय नहीं है। जब आप 1000 ई. के पाठ पर आते हैं, तो आपको अध्याय विराम मिलते हैं।

अध्याय विराम प्रेरित नहीं हैं। और यह एक क्लासिक जगह है जहाँ अध्याय विराम गलत जगह पर है। अध्याय विराम वास्तव में अध्याय 15, श्लोक 21 के बाद आना चाहिए।

क्योंकि 15:22 के साथ, हम एक नए खंड में हैं। अध्याय 15 बहुत अच्छी तरह से काम करता है। अपने हेसेड में, आप हमें अपने पास लाते हैं, यही मैं उस तीसरे श्लोक का शीर्षक दूंगा।

मैं कहता हूँ, एक तरफ़, 15, पिछले भाग को समाप्त करता है। और आयत 13 से 18 हमें 15:22 में आने वाली बातों से परिचित कराते हैं। किताब के अंत से लेकर 4038 तक। लेकिन रास्ते में हमें कुछ चरण मिले हैं।

अब वे यहोवा की शक्ति को जानते हैं। अब वे जानते हैं कि देवताओं में उसके जैसा कोई नहीं है। लेकिन वे यह नहीं जानते कि क्या परमेश्वर पर भरोसा किया जा सकता है कि वह उनकी देखभाल करेगा।

वह किसी भी भगवान को, किसी भी चीज़ को जो खुद को भगवान कहती है, कोड़े मार सकता है। हाँ, यह स्पष्ट है। कोई अगर, कोई और, कोई परन्तु नहीं।

लेकिन क्या वह वास्तव में हमारी सबसे बुनियादी ज़रूरतों की परवाह करता है? 15:22 से 18:27 तक यही है - परमेश्वर की कृपा। हमें उसकी शक्ति का रहस्योद्घाटन हुआ है।

अब, इस अगले भाग में, 15:22 से 18:27 तक, परमेश्वर की कृपा। क्या वह हमारी परवाह करता है? क्या वह हमारी सबसे बुनियादी ज़रूरतों की परवाह करता है? क्या हम हर दिन उस पर भरोसा कर सकते हैं? हाँ, हाँ। बड़ी मुश्किल में, जब बात मिस्र या यहोवा की आती है, हाँ, वह जीतने वाला है।

यह बात हमें स्पष्ट रूप से पता है। लेकिन, श्लोक 24 में हम इसे तुरंत देखते हैं। इस संस्करण में ऐसा कहा गया है कि लोग बड़बड़ाने लगे।

क्लासिक 15:22 से 18:27 तक। अन्य संस्करण कहेंगे कि उन्होंने शिकायत की। यह वास्तव में, शब्द वास्तव में शिकायत से थोड़ा अधिक मजबूत है। यह बड़बड़ाना है।

तो यह वास्तव में एक दृष्टिकोण, एक सनकी दृष्टिकोण, एक आंसू भरे दृष्टिकोण के बारे में बात करता है। यह हमारा पहला झुकाव क्यों है? अब, शायद यह आपका नहीं है, और यदि ऐसा है, तो मैं आपको बधाई देता हूँ। लेकिन कम से कम हममें से कुछ के लिए, क्या यह मैं हूँ, प्रभु? हाँ।

हमारा पहला झुकाव बुदबुदाने की ओर क्यों होता है? खुद के बारे में सोचना, गिरे हुए स्वभाव, नियंत्रण की कमी, नाराज़गी। यह वास्तव में भरोसा करने की हमारी भयावह अक्षमता के बारे में बताता है। हम कमज़ोर होने के आदी हैं।

हाँ, हाँ। जब पीटर और माशा पहली बार रूस गए और उन बच्चों के साथ काम कर रहे थे जिन्हें 15 साल की उम्र में अनाथालय से बाहर निकाल दिया गया था, लगभग छह महीने बाद, हम फोन पर बात कर रहे थे, और उन्होंने कहा, डैडी, आप किसी ऐसे व्यक्ति से भरोसे के बारे में कैसे बात करते हैं, जिसका जीवन में हर भरोसा विफल हो गया हो? इसलिए, टिप्पणी करना पसंद है, हम कमज़ोर होने के आदी हैं। यहाँ तक कि इस दयनीय भूमि में हममें से जो अच्छे परिवारों से आए हैं, उस तरह की चीज़ों में, हम अभी भी उस गहरे, गहरे डर से ग्रसित हैं।

और मुझे इस निष्कर्ष पर पहुंचने में बहुत समय लगा, लेकिन मुझे पूरा भरोसा है कि सभी पापों की जड़ भय है। वे भयभीत हैं। हम यहाँ हैं, और अगर आपको कभी इज़राइल और सिनाई प्रायद्वीप जाने का मौका मिले, तो आपको पता चल जाएगा कि ग्रह पर कोई ईश्वर-त्यागी जगह है या नहीं।

बस यही है। हम यहाँ हैं। हम इस पानी के गड्ढे के बारे में उम्मीदें लगाते हैं, और यह क्षारीय निकलता है।

आप क्या कर रहे हैं? तो, इसका उपाय क्या है? अभी कुछ भी मत बताइए। इसका उपाय क्या है? भगवान वफादार हो सकते हैं। समर्पण? हाँ।

इच्छुक? जोखिम उठाने के लिए तैयार। याद है? हाँ। अपने सच्चे संभव भगवान की मदद दें।

शमूएल की तरह, जब उसने एल्क का पत्थर, एबेनेज़र नामक पत्थर स्थापित किया। हमें उनमें से कुछ पत्थरों की ज़रूरत है, हमारे प्रभु। मैं पहले यहाँ नहीं आया हूँ।

ठीक है, आपने पहले भी खुद को साबित किया है, और मैं फिर से आप पर विश्वास करने की हिम्मत करूँगा। एक सेकंड। ठीक है।

पद 25 के बारे में बहुत कुछ कहा गया है, जिस पेड़ को उसने पानी में फेंका, और पानी पीने लायक गंदगी बन गया। इस पर बहुत सारे उपदेश दिए गए हैं। यीशु को एक पेड़ पर लटका दिया गया था, और उस पेड़ ने जीवन की कड़वाहट को अपने अंदर समाहित कर लिया है।

यह सच है। मुझे यकीन नहीं है कि यह किस बारे में है, लेकिन फिर भी, इसमें एक सच्चाई है, कि वे कम से कम समानांतर हैं। मेरे विचार में, यह ईश्वर के काम करने के तरीकों की विविधता का एक और उदाहरण है।

वह कह सकता था, अपनी छड़ी को उस पानी के ऊपर रखो, और वह मीठा हो जाएगा। लेकिन उसने ऐसा नहीं किया। उसने कहा, चलो मैं तुम्हें यहाँ यह पेड़ दिखाता हूँ।

अगर आप उस शाखा को पानी में फेंकेंगे, तो वह शराब को बेअसर कर देगी। भगवान के काम करने के कई तरीके हैं, और हमें ऐसा नहीं करना चाहिए, मैंने पिछले हफ्ते यह कहा था, मुझे इसे फिर से कहने का अवसर मिलेगा, हमें भगवान को निर्देश देने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। आपको हर बार इसी तरह से काम करना होगा। या यह आप नहीं हैं, मेडिकल प्रोफेसर।

यह ईश्वर का उपहार है, और ईश्वर ही उपचार करता है। हम सोचते हैं कि एकमात्र उपचार तात्कालिक उपचार है जो कि, उद्धरण, चमत्कारी है। सालों पहले, मैंने डॉ. मैकफी को एक उपदेश देते हुए सुना था।

जैसा कि आप शायद जानते होंगे, 20 की उम्र में ही वे टीबी से ठीक हो गए थे। मुझे लगता है कि वे 94 साल तक जीवित रहे। हालाँकि, उनकी पत्नी की 56 साल की उम्र में कैंसर से मृत्यु हो गई।

वह ठीक नहीं हुई। और उन्होंने एक ऐसा उपदेश दिया जिसने इस मामले पर मेरी पूरी सोच को बदल दिया। उन्होंने कहा कि उपचार के पाँच उपहार हैं।

आप अपने उपहार के लिए भगवान पर विश्वास करेंगे। तत्काल उपचार होता है, जिसके बारे में उन्होंने कहा कि यह दुर्लभ है। संकट का वह बिंदु आता है जो पहुँच चुका है और बदल चुका है।

जब कोई व्यक्ति शुरुआत करता है, तो वह आगे बढ़ता है और बेहतर होने लगता है। इलाज में चमत्कारिक उपचार होता है। एक उदाहरण जिसके बारे में मैंने बार-बार सोचा है और हमेशा इस्तेमाल करता हूँ, वह है एल्विस केली, जो एवन पार्क क्लिनिक के अध्यक्ष हैं।

वह यहाँ सेमिनरी में छात्र था, स्नातक की उपाधि प्राप्त की, मिशिगन वापस गया, और जानलेवा बीमारी से पीड़ित हो गया। वह मौत के कगार पर था, और डॉक्टरों में से एक ने कहा, क्या आपको लगता है कि यह हिस्टोप्लास्मोसिस है? मिशिगन में किसी को भी हिस्टोप्लास्मोसिस नहीं है। कैंटकी में हर कोई हिस्टोप्लास्मोसिस से पीड़ित है।

आपके पास यह है। और हाँ, यह था। और उन्होंने उसे दवा दी, और वह दो दिनों में ठीक हो गया।

चौथा एक विशिष्ट अनुग्रह है। और जैसा कि उन्होंने इसका प्रचार किया, और जैसा कि मैंने इसका प्रचार किया है, यह उतना ही चमत्कार है जितना कि यह एक उपचार है। यह चोट पर विजय पाने का अनुग्रह है।

और अगर हमें पॉल से बेहतर कोई उदाहरण चाहिए, तो मैं किसी के बारे में नहीं सोच सकता। नहीं, पॉल, मैं तुम्हें ठीक नहीं करने जा रहा हूँ। वाह, पॉल में पर्याप्त विश्वास नहीं था, है न? मुझे ऐसा नहीं लगता।

मैंने कहा कि मैं तुम्हें चंगा करने की अपेक्षा तुम्हारी विजयी पीड़ा के माध्यम से अधिक महिमा प्राप्त करने जा रहा हूँ। और अंतिम बात विजयी क्रॉसिंग है। जॉन वेस्ले ने जो बातें कही हैं, उनमें से एक यह है कि हमारे लोग अच्छी तरह से मरते हैं।

हाँ, यह भी एक चमत्कार है। तो, भगवान की चिकित्सा कई तरह से काम करती है, और मुझे लगता है कि यह यहाँ कही गई बातों से संबंधित है। मैं आप पर कोई भी बीमारी नहीं लाऊँगा जो मैंने आप पर लायी थी।

अब, मुझे लगता है कि इसमें समझदारी है। और फिर से, मैं यहाँ बहुत, बहुत सावधानी से बोलने की कोशिश करना चाहता हूँ। लेकिन आप जानते हैं क्या? मैं आपको बहुत हद तक गारंटी दे सकता हूँ कि अगर आप एक कुंवारी लड़की से शादी करते हैं और जीवन भर वफादार रहते हैं तो आप कभी भी इससे ऊब नहीं जाएँगे।

अब, क्या यह एक मतलबी ईश्वर है जो कहता है, तुम व्यभिचारी हो, और मैं तुम्हें इसके लिए सिफिलिस का केस दूंगा? दूसरी ओर, ईश्वर ने दुनिया को कुछ खास तरीकों से संचालित करने के लिए बनाया है, और यदि आप उन तरीकों से काम करते हैं, तो आप ज्यादातर समय, यहाँ पूर्ण की उम्मीद कर सकते हैं। आप अच्छे और बुरे की उम्मीद कर सकते हैं। तो, क्या अच्छे लोगों के साथ बुरी चीजें होती हैं? बिल्कुल नहीं। क्या इस बात की गारंटी है कि यदि आप ईश्वर के मानकों के अनुसार जीते हैं, तो आपके साथ कभी कुछ बुरा नहीं होगा? बिल्कुल नहीं।

दूसरी ओर, यदि हम ईश्वर के सृजन मानकों के अनुसार जीते हैं, तो हम कुछ अच्छे और बुरे की उम्मीद कर सकते हैं क्योंकि दुनिया इसी तरह बनी है। ठीक है, हम यहीं रुकने जा रहे हैं, और हमें अगले सप्ताह तीन अध्याय करने होंगे।

यह एक नया रिकॉर्ड होगा, लेकिन भगवान के लिए सब कुछ संभव है।

आइए प्रार्थना करें। पिता, हम आपको धन्यवाद देते हैं कि आप उपचारक हैं। हम आपको धन्यवाद देते हैं कि आपने हमें स्वास्थ्य के लिए बनाया है। आपका धन्यवाद कि जब हम आपके मानकों के अनुसार जीते हैं, तो स्वास्थ्य अपेक्षित परिणाम होता है। धन्यवाद, प्रभु।

और आपका धन्यवाद कि इस पतित दुनिया में, जहाँ पाप ने बीमारी पैदा की है, यह कभी-कभी सबसे अच्छे लोगों पर भी आती है। आपका धन्यवाद कि आपके अंदर विजयी जीवन जीने और, यदि आवश्यक हो, तो विजयी होकर मरने की कृपा है। आपका धन्यवाद।

और जैसा कि हमने शुरू किया, पुनरुत्थान की सच्चाई और उस अनंत जीवन के लिए आपका धन्यवाद जो हमारा है। आप हमारी ताकत, हमारी आशा और हमारा उद्धार हैं। आमीन।